भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 10.03.2019

तकनीकी छात्रों ने युद्धक विमान के आकर्षक मॉडल का प्रदर्शन किया। • हिन्दुस्तान

बढ़ती जरूरतों के मुताबिक भविष्य की लॉरी भी टेक्नेक्स में दिखी। • हिन्दुस्तान

टेक्नेक्स में लोगों के अंगुली के इशारे पर रोबोट ने डांस करके दिखाया।

कम्प्यूटर वैज्ञानिक बोले-धर्म ने हमेशा ही टेक्नोलॉजी में परिवर्तन से मेल बिठाया है, आज हमें इस प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत है

धर्मों के बीच सेतु बनेगा कंप्यूटर: बोरोंस्टाइन

वाराणसी | निज संवाददाता

अमेरिका के कंप्यूटर वैज्ञानिक नेथनील बोरोंस्टाइन ने कहा कि कंप्यूटर वह जादुई बक्सा है जिससे विभिन्न धर्मों के बीच समन्वय स्थापित किया जा सकता है। आने वाले समय में कंप्यूटर धर्मों के बीच एक सेतु का काम करेगा। वह शनिवार को आईआईटी बीएचयू के तकनीकी उत्सव टेक्नेक्स के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने अपनी 40 साल की तपस्या को प्रौद्योगिकी और अध्यात्म के संगम के तौर पर एक पुस्तक के रूप में ढाला है। जिसमें अपने जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को समाहित करते हुए शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के उपाय सुझाए हैं। साथ ही शोध से अर्जित धर्म और टेक्नोलोजी का ज्ञान साझा किया। माइम प्रोटोकॉल, ईमेल अटैचमेन्ट को पहली बार दुनिया में लाने वाले और अध्यात्म पर भी गहन अध्ययन कर चुके नेथनील ने कहा कि भले ही मेरे पास उत्तर नहीं है पर कई महत्वपूर्ण सवाल हैं। उन्होंने कहा कि धर्म ने हमेशा ही टेक्नोलॉजी में परिवर्तन से मेल बिठाया है। परंतु आज हमें इस प्रक्रिया को तेज करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई किसी भी धर्म के मूल सिद्धांतों का पालन करता है तो इंटरनेट पर प्रचलित दुष्प्रवृत्तियों का अनुसरण नहीं करेगा। इंटरनेट पर साइबर बुलीइंग, पोर्नोग्राफी, ब्लैकमेलिंग जैसी हरकत करने वालों को नैतिकता का पाठ पढ़ना चाहिए। धर्म को ऐसे लोगों का मार्गदर्शन करना चाहिए। इंटरनेट की बढ़ती पहुंच से निजता की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं। दिन भर चले तकनीकी उत्सव में वक्ताओं ने कल्पनाओं को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। थिंक टॉक में ऑस्कर विजेता गैरेट ब्राउन ने नव परिवर्तनकारी तकनीक पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया ताकि वे अपनी कल्पना की उड़ान भरें।

आईआईटी बीएचयू के राजपूताना मैदान में हुए टेक्नेक्स में शनिवार को ड्रोन (लाल घेरे में) को हाथ के इशारे से उड़ाता छात्र। • हिन्दुस्तान

विज्ञानी की बात

- इंटरनेट का दुरुपयोग करने वालों को नैतिकता सिखाना जरूरी
- बढ़ती पहुंच से निजता की सुरक्षा पर खड़े हो रहे सवाल

हाथ के इशारे पर उड़ा ड्रोन रोबो ने दिखाया डांस

आईआईटी के तकनीकी मेले में युवाओं ने रिमोट से कंट्रोल होने वाले ड्रोन को हाथ के इशारे से कंट्रोल कर दिखाया। यह ड्रोन हाथ के इशारे पर न सिर्फ घूम रहे थे, बल्कि एक जगह स्थिर होते रहे। टेक्नेक्स में डांस करता रोबोट कौतूहल का विषय बना रहा। खास प्रोग्राम से यह कई गानों पर डांस कर रहा था।

हवा से चलेगी टरबाइन, कृत्रिम हाथ का बनाया मॉडल

तकनीकी उत्सव में छात्रों ने हवा से चलने वाली टरबाइन का मॉडल पेश किया। इसे घरों, कार्यालयों या खेतों में लगाकर बिजली पैदा की जा सकती है। इसे आवासीय और व्यावसायिक उपयोग के अनुकूल डिजाइन किया गया है जो एक स्मार्ट फोन की कीमत पर स्थापित किया जा सकता है। इंफिनिटी बोटिक्स ने भारत का पहला और दुनिया का सबसे सस्ता कृत्रिम हाथ बनाया, जो दिव्यांगों की सहायता करेगा। इसे और ज्यादा विकसित करने पर काम भी चल रहा है।